एम.ए. भाग – दो (हिंदी)
अनिवार्य बीज पत्र – 5
आधुनिक हिंदी काव्य

कुल अंक – 100

अध्यापन वर्ष : जून 2011 से

प्रस्तावना –

आधुनिक हिंदी काव्य पनरनामा के रूप में नवीन भावभूमि एवं वैचारिक गतिशिलता लेकर अवतरित हुआ। आधुनिकता, इहलौकिता, विश्वजनिनता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं। उपेक्षित विषय भी यहाँ सार्थक एवं प्रासंगिक हो गए। उन्नीसवीं शती के उत्तरार्ध से अद्यावधि तक की संवेदनाएँ, भावनाएँ एवं नूतन विचार सरणियाँ इसमें अभिव्यक्त हुई है। मुक्कमल मनुष्य इसमें अभिव्यंजित हुआ है। विविध धाराओं में प्रवाहमान अधुनिक हिंदी काव्य प्रेरणा और उर्जा का अजस्र स्रोत है। अतः संवेदना तथा ज्ञान क्षितिज के विस्तार के लिए इसका अध्ययन अत्यंत आवश्यक एवं प्रासंगिक है।

पाठ्यपुस्तकें :–

1. साकेत (नवम सर्ग) –मैथिलीशरण गुप्त
2. कामायनी (श्रद्धा, लज्जा, आनंद) – जयशंकर प्रसाद
3. सरोजस्मृति, कुकुरमुत्ता– सुर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
4. ऐसा अब क्या फिर होगा, देखना वो गंगा मैया, तो फिर क्या हुआ, रवि ठाकूर, चंदू मैंने सपना देखा, ओ जीवन के सजग चितेरे, सत्य, तेरी खोपडी के अंदर, आए दिन बहार के, प्रजातंत्र का होम – नागार्जुन
5. कुरूक्षेत्र – रामधारी सिंह 'दिनकर'
6. अंधेरे में – मुक्तिबोध

द्रुतपाठ :–

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔंध', महादेवी वर्मा, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' हरिवंशराय बच्चन, कुँवर नारायण, शमशेर बहादुर सिंह, धूमिल, दुष्यंतकुमार, नरेश मेहता, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. कविता के नए प्रतिमान – डॉ. नामवरसिंह
2. कामायनी : एक पुनर्विचार – गजानन माधव मुक्तिबोध
3. नई कविता का आत्मसंघर्ष – गजानन माधव मुक्तिबोध
4. नई कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा
5. निराला की साहित्य साधना (खंड – 1,2,3) – रामविलास शर्मा
6. आधुनिक हिंदी कविता – विश्वनाथप्रसाद तिवारी
7. समकालीन हिंदी कविता – – विश्वनाथप्रसाद तिवारी
8. आधुनिक हिंदी कविता का वैचारिक पक्ष – रतनकुमार पाण्डेय
9. कविता का प्रतिसंसार – निर्मला जैन
10. आधुनिक हिंदी कविता का वैचारिक पक्ष – रतनकुमार पाण्डेय
11. समकालीन लंबी कविता की पहचान – डॉ. युद्धवीर धवन

12. निराला रचनावली (आठ खंड)– सं. नंदकिशोर नवल
13. दिनकर और उनकी कृतियॉ – पं. शिवचंद्र शर्मा
14. राष्ट्रीय कवि दिनकर और उनकी काव्यकला – डॉ. शेरवाचंद्र जैन
15. कविता और संघर्ष चेतना – यश गुलाटी
16. हिंदी की मार्क्सवादी कविता – डॉ. संपत ठाकुर
17. हिंदी कविताः तीन दशक – डॉ. कैलाश
18. नागार्जुन की काव्य–यात्राा – डॉ. रतनकुमार पाण्डेय
19. मुक्तिबोध : युग चेतना और अभिव्यक्ति – डॉ. आलोक
20. मुक्तिबोध पूनर्मूल्यांकन – संपत ठाकुर
21. राष्ट्रकवि दिनकर – सं. गोपालराय सकलदेव, शर्मा
22. दिनकर : कवित्व एवं कृतित्व – सं. जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी
23. नई रचना और रचनाकार – दयानंद शर्मा
24. सुमित्राानंदन पंत – व्यक्तित्व एवं कृतित्व – संपा. अतहर नवी,विश्वंभर 'अरूण', प्रकाशक–हिंदी उर्दू साहित्य 'ॲवार्ड' समिति गदनपुर हाऊस , लखनऊ – 18
25. नागार्जुन और नारायण सुर्वे के काव्य में प्रगतिशील चेतना – डॉ. अलका निकम, अभय प्रकाशन, कानपुर
26. साहित्य के विविध आयाम – पाण्डेय विनयभूषण, प्रिंटवेल, दरभंगा (बिहार)
27. नागार्जुन के काव्य में जनचेतना – राजेश क्षिरसागर
28. समकालीन हिंदी कविता के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर – डॉ. सरजूप्रसाद मिश्र

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1.	बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित)	20
प्रश्न 2.	संदर्भसहित व्याख्या (5 में से 3 –साकेत, कामायनी, कुरूक्षेत्र पर)	30
प्रश्न 3.	आलोचनात्मक प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ पूरे पाठ्यक्रम पर)	15
प्रश्न 4.	आलोचनात्मक प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ पूरे पाठ्यक्रम पर)	15
प्रश्न 5.	लघूत्तरी प्रश्न (6 में से 4 द्रुत पाठ पर)	20

एम.ए. भाग– 2 (हिंदी)
अनिवार्य बीज पत्र – 6
काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन
कुल अंक – 100

प्रस्तावना –

रचना के वैि ाश्टय और मूल्यबोध के उद्घाटन के लिए काव्य ाास्त्र और साहित्यालोचना ज्ञान अनिवार्य हैं । इससे साहित्यिक समझ विकसित होती है । वह सृश्टि मिलती है, जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके । सामाजिक सांस्कृतिक परिवे ा के साथ रचना का आस्वाद प्राप्त करने, रचना को उसकी समग्रता में समझने और जॉचने परखने के लिए भारतीय और पा चात्य तथा हिंदी के निजी साहित्यालोचना का अध्ययन समीचीन है ।

(क) संस्कृत काव्यशास्त्र

- काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार ।
- रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस निश्पत्ति, रस के अंग रस के प्रकार रस की वि   ोशताएँ।
- अलंकार सिद्धांत : अलंकार की अवधारणा, अलंकार सिद्धांत – सामान्य परिचय, अलंकारों का वर्गीकरण ।
- रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा, रीति सिद्धांत – सामान्य परिचय, काव्य, – गुण, रींति।
- वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति सिद्धांत – सामान्य परिचय, वक्रोक्ति के भेद ।
- ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, सिद्धांत – सामान्य परिचय, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, स्फोट ध्वनि ।
- औचित्य सिद्धांत : औचित्य की अवधारणा औचित्य – सामान्य परिचय, औचित्य का महत्त्व।

(ख) पाश्चात्य काव्यशास्त्र

- प्लेटो : काव्य सिद्धांत, काव्य प्रेरणा ।
- अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, त्रासदी ।
- लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा ।
- टी.एस्.इलियट : परंपरा की परिकल्पना, वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वेयाक्तिकता सिद्धांत, वस्तुनिश्ठ समीकरण ।
- वर्डस्वर्थ : काव्य भाशा का सिद्धांत ।
- आइ ए– रिचर्डस : व्यावहारिक आलोचना,।

(ग) सिद्धांत और वाद : अस्तित्ववाद्, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद, गांधीवाद, बिंबवाद ।

1. आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ : संरचनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद, दलित विर्मा, नारी विर्मा ।
2. हिंदी आचार्यों का काव्य भाास्त्रीय चिंतन : रामचंद्र भाुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ.नगेंद्र रामविलास भार्मा, नामवर सिंह ।

(घ) हिंदी आलोचना के प्रमुख प्रकार – भाास्त्रीय, ऐतिहासिक तुलनात्मक, मनोवि   ालेशणवादी समाज   ाास्त्रीय, व्याख्यात्मक और निर्णयात्मक ।

(ङ) व्यावहारिक समीक्षा

प्रश्नपत्र में पूछे गए काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा ।

(सूचना – व्यावहारिक समीक्षा के लिए रचना का शीर्षक, एवं रचनाकार के नाम सहित काव्य पंक्तियाँ दी जाएगी।)

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिमान – डॉ.जगदी ा कौि ाक ।
2. रस सिद्धांत – डॉ.नगेंद्र ।
3. साहित्य सिद्धांत और समीक्षा – कृ.ज. वेदपाठक ।
4. सौंदर्य तत्त्व – डॉ.सुरेद्रनाथ दासगुप्ता ।
5. भारतीय काव्य ाास्त्र की भूमिका – भाग– 1, 2 – डॉ.नगेंद्र ।
6. आलोचना के बदलते मानदंड और हिंदी साहित्य – डॉ.ि ाव ारण सिंह ।
7. मार्क्सवादी साहित्य चिंतन – इतिहास तथा सिद्धांत – डॉ.ि ावकुमार मिश्रा ।
8. रस सिद्धांत – स्वरूप विश्लेशण – डॉ.आनंद प्रका ा दीक्षित ।
9. ध्वनि सप्रदाय और उसके सिद्धांत – डॉ.बच्चूलाल अवस्थी ।
10. हिंदी आलोचना – डॉ.विश्वनाथ त्रिपाठी ।
11. पा चात्य काव्य ाास्त्र – डॉ.बच्चनसिंह ।
12. काव्य के अंग – डॉ.लक्ष्मीदित्त गौतम ।
13. भौली वैज्ञानिक आलोचना के प्रतिद्र र्ा – डॉ.कृशणकुमार भार्मा ।
14. पा चात्य काव्य ाास्त्र के सिद्धांत – डॉ.भाांतिरूप गुप्त ।
15. भारतीय काव्य ाास्त्र के सिद्धांत – डॉ.कृश्णदेव भार्मा ।
16. भारतीय काव्य ाास्त्र – डॉ.उदयभानुसिंह ।
17. साहित्य ाास्त्र – डॉ.नारायण भार्मा ।
18. आधुनिक हिंदी समीक्षा की प्रवृत्तियॉ – डॉ.विद्या चौहान ।
19. पा चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन, कुसुम बांठिया ।
20. हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ – सं. रामे वरलाल खंडेलवाल ।
21. भारतीय काव्य ाास्त्र के सिद्धांत – डॉ.कृश्णदेव झारी ।
22. दलित साहित्य चिंतन के आयाम – डॉ. बी.डी.सगरे ।
23. दलित साहित्य अनुसंधान के आयाम – डॉ. बी.डी.सगरे ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन
कुल अंक – 100

प्र न– 1 बीस वस्तुनिशठ प्र न (पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित) 20

प्र न– 2 संस्कृत काव्य ाास्त्र पर आलोचनात्मक प्र न 15
(अंतर्गत विकल्प के साथ)

प्र न– 3 पा चात्य काव्य ाास्त्र पर आलोचनात्मक प्र न 15
(अंतर्गत विकल्प के साथ)

प्र न– 4 हिंदी काव्य ाास्त्र पर आलोचनात्मक प्र न 15
(अंतर्गत विकल्प के साथ)

प्र न– 5 व्यावहारिक समीक्षा (प्र नपत्र में दी गई कविताओं के काव्य

एवं ि ाल्पगत वि ोशताओं पर आधारित) – (तीन में से दो) 15

प्र न– 6 संस्कृत एवं पा चात्य काव्य ाास्त्र पर लघुत्तरी प्र न 20
(6 में से 4)

अनिवार्य बीज पत्र –7
हिंदी साहित्य का इतिहास

कुल अंक – 100

प्रस्तावना –

किसी भी देश के जनमानस की मनोवृत्ति, दशा एवं संवेदना के विविध स्वरूपों का संचित रूप वहाँ के साहित्य में परिलक्षित होता है। सामाजिक राजनीतिक , सांस्कृतिक आदि विभिन्न परिस्थितियों के कारण चित्तवृत्तियों में परिवर्तन होता है, साहित्य रूपों में बदलाव आ जाता है। इस बदली हुई विकास प्रक्रिया को साहित्य के इतिहास के माध्यम से देखा –परखा जा सकता है। आठवी–नवीं शताब्दी से लेकर आज तक के विकास परिदृश्य के साथ साहित्यिक सृजनशीलता के विविध रूपों , प्रवृत्तियों और भाषा शैलियों का ज्ञान हिंदी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है। अतः इसका अध्ययन सार्थक एवं समीचीन है।

पाठ्यविषय –

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : कालविभाजन, सीमा–निर्धारण ।
2. हिंदी साहित्य : आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ साहित्य , जैन साहित्य।
3. पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन, विभिन्न काव्यधाराएँ तथा उनकी विशेषताऍं।
4. प्रमुख संत कवि और उनका अवदान।
5. भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्यग्रंथ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्त्व।
6. राम और कृष्ण काव्य, रामकृष्ण काव्येतर काव्य, भक्तितर काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनागत विशेशताऍं।
7. उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल–सीमा और नामकरण , संस्कृति और लक्षण–ग्रंथों की परंपरा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त), प्रवृत्तियों और विशेषताऍं, प्रतिनिधि रचनाकार – केशवदास, बिहारी, भूशण, मतिराम और चिन्तामणी।
8. आधुनिक काल की सामाजिक,राजनीतिक,आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।
9. भारतेंदु युग : भारतेंदु हरिश्चंद्र, बालकृष्ण भट्ट ,प्रतापनारायण मिश्र, बालमुकुंद गुप्त की रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
10. द्विवेदी युगः मैथिलीशरण गुप्त, हरिऔध, सियारामशरण गुप्त की रचनाऍं और साहित्यिक विशेषताएँ।
11. हिंदी की स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास–छायावादी काव्य–प्रसाद, पंत, निराला महादेवी वर्मा की प्रमुख रचनाऍं और साहित्यिक विशेषताऍं।
12. उत्तर छायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियॉं, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, समकालीन कविता – दिनकर, बच्चन, अज्ञेय, मुक्तिबोध, शमशेर ,बहादुरसिंह, धर्मवीर भारती, कुँवर नारायण, श्रीकांत वर्मा, दुष्यंतकुमार, चंद्रकांत देवताले,त्रिलोचन,लिलाधर जुगूडी, धूमिल, केदारनाथ अग्रवाल और केदारनाथ सिंह की रचनाऍं और साहित्यिक विशेषताऍं।

13. हिंदी गद्य की प्रमुख विधाओं :(कहानी, उपन्यास, नाटक,निबंध, संस्मरण, रेखाचित्रा, यात्रासाहित्य आदि) का विकास।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेंद्र
3. हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियॉ – डॉ. शिवकुमार शर्मा
4. स्वातंत्रयोत्तर हिंदी साहित्य – डॉ. महेंद्र भटनागर
5. हिंदी साहित्य का आदिकाल – डॉ. हजारीप्रसाद द्विवदी
6. हिंदी गद्य साहित्य का विकासक्रम – आचार्य उमेश शास्त्राी
7. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
8. हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास – डॉ. सभापति मिश्र
9. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
10. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियॉ – डॉ. जयकिशन खंडेलवाल
11. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
12. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
13. हिंदी साहित्य का अद्यतन इतिहास – डॉ. मोहन अवस्थी
14. हिंदी साहित्य का सही इतिहास – डॉ. चंद्रभानु सोनवणे
15. कबीर के आलोचक – डॉ. धर्मवीर
16. आधुनिक हिंदी साहित्य – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
17. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
18. हिंदी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. रामसजन पाण्डेय
19. समसामयिकता और आधुनिक हिंदी साहित्य – डॉ. रघुवंश
20. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
21. हिंदी साहित्य का इतिहास– डॉ. हरिचरण शर्मा
22. साठोत्तरी हिंदी साहित्य का परिप्रेक्ष्य – सं. हिंदी विभाग, पुणे विद्यापीठ , पुणे
23. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा, डॉ. रामनिवास गुप्त
24. हिंदी साहित्य का इतिहास :युग निर्धारण – डॉ. सुधा अग्रवाल
25. भारतेंदु हरिश्चंद्र व्यक्तित्व – सं. हिंदू–उर्दू साहित्य अवार्ड कमिटी, लखनऊ
26. उत्तरशती का हिंदी साहित्य – डॉ. सुरेश जैन, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
27. यात्रा साहित्य – परिवेश एवं परिप्रेक्ष्य – डॉ. प्रकाश मोकाशी
28. हिंदी का स्वातंत्रय प्राप्त्युत्तर यात्राा साहित्य – डॉ. इरेश स्वामी
29. हिंदी का आधुनिक यात्राा साहित्य – डॉ. प्रताप शर्मा
30. हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – बाबू गुलाबराय। सं. सं. प्रो. विश्वंभर अरूण

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन **कुल अंक – 100**

1.	बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पूरे पाठ्क्रम पर आधारित)	20
2.	दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (हिंदी साहित्य का इतिहास एवं आदिकाल पर आधारित)	15
3.	दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (भक्तिकाल पर आधारित)	15

4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 15
(रीतिकाल पर आधारित)
5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 15
(आधुनिक काल पर आधारित)
6. आधुनिक काल पर टिप्पणियाँ (6 में से 4) 20

पेपर क्र. 8
साहित्यिक वर्ग
भारतीय साहित्य

कुल अंक –100

प्रस्तावना –

भारतीय भाषाओं में हिंदी भाषा और साहित्य का स्थान अन्य प्रांतीय भाषाओं की तुलना में अपेक्षा कृत अधिक महत्त्वपूर्ण है, इसलिए हिंदी साहित्याध्ययन को अधिकाधिक गंभीर तथा पशस्त बनाना अत्यंत आवश्यक है। एक सांकेतिक भारतीय साहित्य की रूपरचना के लिए हिंदी का भारतीय सदर्भ सर्वथा प्रासंगिक है। इस दृष्टि से हिंदी के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए भारतीय भाषाओं के साहित्य का ज्ञान अनिवार्य है। तभी उनके ज्ञान क्षितिज एवं सांस्कृतिक दृष्टि का विकास होगा। यही नहीं, इससे हिंदी अध्ययन का अंतरंग विस्तार भी होगा। इस प्रश्नपत्रा के चार खंड होंगे। प्रत्येक खंड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनवार्य होगा।

प्रथम खंड :

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप।
2. भरतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएॅं।
3. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब।
4. भारतीयता का समाजशास्त्र।
5. हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

द्वितीय खंड :

1. बंगाली भाषा साहित्य के इतिहास का अध्ययन।

अथवा

2. कन्नड भाषा साहित्य के इतिहास का अध्ययन।

तृतीय खंड :

1. हिंदी और बंगाली भक्ति साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन।
2. मोहन राकेश और बादल सरकार के नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन।

अथवा

1. हिंदी और कन्नड भक्ति साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन
2. मोहन राकेश और गिरीश कर्नाड के नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन।

चतुर्थ खंड :

1. जंगल के दावेदार – महाश्वेता देवी (उपन्यास), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
2. असफल आरोप – सीताकांत महापात्रा (उडिया काव्य), ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली.
3. 'हय वदन' – गिरीश कर्नाड, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. **भारतीय साहित्य की भूमिका** – रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
2. **भारतीय साहित्य के इतिहास के अध्ययन की समस्याएँ** – रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
3. **तुलनात्मक अध्ययन की भूमिका** – इन्द्रनाथ चौधरी (नॅशनल प्रकाशन)
4. **भारतीय साहित्य का परिप्रेक्ष्य** – रोहिताश्व (लोकभारती प्रकाशन)
5. **तुलनात्मक साहित्य के प्रतिमान** – रोहिताश्व (जयभारती प्रकाशन)
6. **भारतीय साहित्य का सांस्कृतिक पक्ष** – डॉ.रोहिता व (जयभारती प्रकाशन)

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

कुल अंक – 100

1.	बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित)	**20**
2.	आलोचनात्मक प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ– प्रथम खंड पर आधारित)	**15**
3.	आलोचानत्मक प्रश्न(अंतर्गत विकल्प के साथ–द्वितीय खंड पर आधारित)	**15**
4.	आलोचानत्मक प्रश्न(अंतर्गत विकल्प के साथ–तृतीय खंड पर आधारित)	**15**
5.	आलोचानत्मक प्रश्न(अंतर्गत विकल्प के साथ–चतुर्थ खंड पर आधारित)	**15**
6.	आलोचानत्मक प्रश्न(6 में से 4 पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित)	**20**

वैकल्पिक प्रश्नपत्र – 8
व्यावसायिक वर्ग
अनुवाद : सिध्दांत और प्रयोग

कुल अंक – 100

प्रस्तावना –

विश्व में विविध देशी एवं विदेशी भाषाओं के ज्ञान–भंडार की जानकारी के लिए अनुवाद की अनिवार्यता है। तुलनात्मक–साहित्य, भाषा विज्ञान तथा विदेशी भाषा शिक्षण आदि में अनुवाद एक कारगर उपकरण के रूप में प्राचीन काल से स्वीकृत रहा है। जनसंचार माध्यमों तथा दूसरे आधुनिक विषय क्षेत्रों में भी इसकी उपयोगिता सर्वविदित है। अतः अनुवाद का शिक्षण,पठन–पाठन आज की अनिवार्यता है।

पाठ्यविषय :–

(क)
- **अनुवाद** – परिभाषा, क्षेत्र और सीमाएँ।
- **अनुवाद का स्वरूप** – अनुवाद कला,विज्ञान अथवा शिल्प।
- **अनुवाद की इकाई** – शब्द , पदबंध, वाक्य , पाठ।
- **अनुवाद की प्रकिया और प्रविधि** – विश्लेषण, अंतरण, पुनर्गठन। अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरण , स्त्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थ ग्रहण की प्रक्रिया, स्त्रोत भाषा एवं लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थांतरण की प्रक्रिया। अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ–संप्रेषण की प्रक्रिया।
  अनुवाद प्रक्रिया की प्रकृति।
  अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धांत ।

(ख) अनुवाद के प्रकार –

साहित्यिक विधा के आधार पर – काव्यानुवाद, नाट्यानुवाद, कथानुवाद।

प्रयोजन के आधार पर – कार्यालयीन , वैज्ञानिक, तकनीकी, मानविकी, संचारमाध्यम, विज्ञापन आदि के अनुवाद।

प्रक्रिया के आधार पर – शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद, रूपांतरण।

अनुवाद की समस्याएँ – सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद की समस्याएँ, विधि साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ, विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ।

(ग) **अनुवाद के उपकरण / साधन** – कोश, पारिभाषिक शब्दावली, कम्प्यूटर आदि।

अनुवाद पुनरीक्षण, संपादन, मूल्यांकन।

मशीनी अनुवाद ।

अनुवाद की सार्थकता, प्रासंगिकता एवं व्यावसायिक परिदृश्य ।

अनुवादक के गुण

(घ) **व्यावहारिक अनुवाद** अंग्रजी परिपत्रा ;ब्पतबनसंतद्धए समाचार तथा विज्ञापन का हिंदी अनुवाद
परिभाशिक शब्दावली का अनुवाद (अंग्रेजी से हिंदी में)

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ–डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. अनुवाद कला : सिद्धांत और प्रयोग – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
4. अनुवाद चिंतन –डॉ. अर्जुन चव्हाण
5. अनुवाद : स्वरूप एवं सिद्धांत – डॉ. के. पी. शाह
6. अनुवादः समस्याएँ एवं समाधान – डॉ. अर्जुन चव्हाण
7. प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान – डॉ. मनोहर सराफ, डॉ. शिवकांत गोस्वामी
8. अनुवाद प्रक्रिया – डॉ. रीतारानी पालीवाल
9. अनुवाद कला : कुछ विचार – आनंद प्रकाश खेमानी
10. काव्यानुवाद की समस्याएँ – महेंद्र चतुर्वेदी, डॉ. ओमप्रकाश
11. अनुवाद सिद्धांत और समस्याएँ– सं. रवींद्र श्रीवास्तव, डॉ. कुष्णकुमार गोस्वामी।
12. वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ – डॉ. भोलानाथ तिवारी।
13. अनुवाद कला – डॉ. भोलानाथ तिवारी
14. अनुवाद मीडिया– डॉ. कृष्णकुमार रत्तू
15. हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद – आलोककुमार रस्तोगी
16. अनुवाद भाषाएँ : समस्याएँ – डॉ. एन्.ई. विश्वनाथ अय्यर
17. अनुवादः संवदेना और सरोकर – डॉ.सुरेश सिंहल

(शब्दावली अंत में दी गई है।)

प्रश्नपत्र का स्वरूप और अंक विभाजन

कुल अंक – 100

1.	बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित)	20
2.	'क' विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15
3.	'ख' विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15
4.	'ग' विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15
5.	(अ) अंग्रेजी परिपत्र, समाचार, विज्ञापन का हिंदी अनुवाद (तीन में से दो)	10
	(आ) पारिभाषिक शब्दों का अनुवाद (शब्दावली अंत में दी गई है।)	10
6.	पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित 'लघुत्तरी प्रश्न' (पाँच में से तीन)	15

(शब्दावली अंत में दी गई है।)

एम.ए.भाग – दो

वैकल्पिक पश्नपत्रा – 8

व्यावसायिक वर्ग

राजभाषा प्रशिक्षण

प्रस्तावना –

कार्यालयी – हिंदी का एक नया स्वरूप इधर विकसित हुआ है। इसका व्यव्यस्थित ज्ञान प्राप्त कर लेने पर रोजगार की संभावनाओं में अभिवृद्धी होगी और राजभाषा का स्तरोन्नयन भी होगा।

पाठ्यविषय –

(क) राजभाषा (कार्यालयी हिंदी)–

1. **प्रशासन व्यवस्था और भाषा।**
2. **भाषा की बहुभाषिकता और एक संपर्क भाषा की आवश्यकता।**
3. **राजभाषा (कार्यालयी हिंदी) की प्रवृत्ति।**
4. **अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी।**
5. **हिंदी के प्रचार – प्रसार में विभिन्न संस्थाओं की भूमिका।**

(ख) राजभाषा विषयक सांविधानिक प्रावधान –

1. **राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक)।**
2. **राष्ट्रपति के आदेश (1952,1955,1960)।**
3. **राजभाषा अधिनियम (1963) तथा संशोधित (1967)**
4. **राजभाषा संकल्प (1968) यथानुमोदित (1991)**
5. **राजभाषा नियम (1976)**
6. **द्विभाषी नीति और त्रिभाषा सूत्रा।**
7. **हिंदीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्राों में हिंदी की स्थिति।**

(ग) राजभाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्ष–

1. **हिंदी आलेख , टिप्पण, संक्षेपण तथा पत्राचार।**
2. **कार्यालय अभिलेखों के हिंदी अनुवाद की समस्या।**
3. **हिंदी कम्प्युटरीकरण ।**
4. **हिंदी संकेताक्षर और कुटपद निर्माण।**
5. **हिंदी में वैज्ञानिक और तकनीकी पारिभाषिक शब्दावली।**
6. **बैंकिंग, बीमा और अन्य वाणिज्यिक क्षेत्राों में हिंदी अनुप्रयोग की स्थिति।**

(घ) हिंदीकरण की प्रगति।

1. **केंद्र एवं राज्यशासन के विभिन्न मंत्राालयों में हिंदी की प्रगति।**
2. **वैश्विक क्षेत्रा में हिंदी।**
3. **सूचना प्रौद्योगिकी (संचार माध्यमों के परिप्रेक्ष्य में हिंदी और देवनागरी**

लिपि)

4. भूमंडलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी का भविष्य।
5. हिंदी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या।

संदर्भ ग्रंथ –सूची

1. भारत की भाषा समस्या – रामविलास शर्मा
2. प्रशासनिक हिंदी – डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेश गुप्त
3. व्यवहारिक राजभाषा – आलोक कुमार रस्तोगी
4. प्रशासनिक एवं कार्यालयी हिंदी – डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेश गुप्त
5. राजभाषा हिंदी प्रगति और प्रयाण – संपा. डॉ. इकबाल अहमद, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. प्रारूपण, शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन – विधि – राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव
7. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोंद गोदरे
8. जीवन विमा व्यवसाय में हिंदी प्रयोग – सुधीर निगम
9. बैंकों में प्रयोजनमूलक हिंदी – अनिलकुमार तिवारी
10. बैंकिग और बिमा शब्दावली – डॉ. सुरेंद्र
11. मानक हिंदीः स्वरूप और संरचना– डॉ. रामप्रकाश
12. राजभाषा हिंदी संघर्षों के बीच – हरिबाबू बंसल
13. राष्ट्रभाषा हिंदी समस्याएँ और समाधान – देवेंद्रनाथ शर्मा
14. हिंदी राष्ट्रभाषा से विश्वभाषा की ओर – डॉ . सुरेश माहेश्वरी, विकास प्रकाशन , कानपुर।
15. हिंदी भाषा एवं देवनागरी लिपि मानकीकण – कलाचंद्र भाटिया
16. राष्ट्रीयकृत बैंकों में हिंदी – डॉ. शंकर बुंदेले, अमन प्रकाशन –104 / ए. / 118 रामबाग , कानपुर – 12
17. बैंकिग हिंदी पत्राचार स्वरूप एवं संप्रेषण – डॉ. ओम निश्चल , गुमान सिंह, किताब घर दरियागंज, नई दिल्ली।
18. बैंकों में व्यावसायिक हिंदी का आगामी प्रयोग – डॉ. कला जोशी , भारतीय ग्रथ निकेतन, दरियागंज, नई दिल्ली।
19. संसद और जनता के बीच संचार प्रकिया – डॉ. सु–नागलक्ष्मी , जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, उत्तर प्रदेश – 281001
20. राजभाषा हिंदी के बढते चरण – गृह मंत्रालय नई दिल्ली।
21. राष्ट्रीयकृत बैंकों हिंदी प्रयोग की नई दिशाएँ – डॉ. दंगल झालटे
22. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख, शैलेजा प्रकाशन, 47–पी, कुंजविहार कानपुर।

प्रश्नपत्रा का स्वरूप एवं अंक विभाजन

कुल अंक – 100

प्रश्न 1.	बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित)	20
पश्न 2.	विभाग 'क' पर आलोचनात्मक प्रश्न(अंतर्गत विकल्प के साथ)	15
पश्न 3.	विभाग 'ख' पर आलोचनात्मक प्रश्न(अंतर्गत विकल्प के साथ)	15
पश्न 4.	विभाग 'ग' पर आलोचनात्मक प्रश्न(अंतर्गत विकल्प के साथ)	15
पश्न 5.	विभाग 'घ' पर आलोचनात्मक प्रश्न(अंतर्गत विकल्प के साथ)	15
पश्न 6.	लघूत्तरी प्रश्न (6 में से 4 – पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित)	20

वैकल्पिक प्रश्नपत्र–8

साहित्यिक वर्ग
विशेष विधा का अध्ययन
हिंदी उपन्यास

कुल अंक –100

पाठ्यविषय –

1. **गोदान** – प्रेमचंद
2. **बाणभट्ट की आत्मकथा** –हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. **चित्रलेखा** – भगवतीचरण वर्मा
4. **आखिरी कलाम** – दूधनाथ सिंह
5. **चाक** – मैत्रैयी पुष्पा
6. **छप्पर** – जयप्रकाश कर्दम

द्रुतपाठ–

1. **परीक्षा गुरू** – लाला श्रीनिवासदास
2. **वैशाली की नगर वधू** – चतुरसेन शास्त्राी
3. **सुनिता** – जैनेंद्र
4. **वे दिन** – निर्मल वर्मा
5. **राग दरबारी** – श्रीलाल शुक्ल
6. **जिंदगीनामा** – कृष्णा सोबती
7. **अंधेरे बंद कमरे** – मोहन राकेश
8. **आधा गॉव** – राही मासूम रजा
9. **महाभोज** – मन्नू भंडारी
10. **मुझे चाँद चाहिए** – सुरेंद्र वर्मा

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. **हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास** – डॉ. सुरेश सिन्हा
2. **हिंदी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग** – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
3. **हिंदी उपन्यास : सृजन और सिद्धांत** – डॉ. नगेंद्र
4. **हिंदी उपन्यास** : डॉ. इंद्रनाथ मदान
8. **हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्राा** – डॉ. रामदरश मिश्र
9 **आधुनिकता और हिंदी उपन्यास** – डॉ. इंद्रनाथ मदान
10. **प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों की शिल्पविधि** – सत्यपाल चुघ
11. **समकालीन हिंदी उपन्यास : कथ्य विश्लेषण** – डॉ. प्रेमकुमार
12. **हिंदी उपन्यासों में चरित्र – चित्रण का विकास** – डॉ. रणवीर रांग्रा
13. **हिंदी उपन्यास : स्थिति और गति** – डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
11. **समकालीन उपन्यासों का वैचारिक पक्ष** – डॉ.अर्जुन चव्हाण, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
14. **हिंदी ऐतिहासिक उपन्यास : प्रतिमान एवं विकासेतिहास** – डॉ. सत्यपाल चुघ

15. **साठोत्तर हिंदी और मराठी के सामजिक उपन्यासों का प्रवृत्तिमूलक तुलनात्मक अध्ययन** – डॉ. यादवराव धुमाळ
16. **हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष** – सं. डॉ. रामदरश मिश्र
18. **उपन्यास का शिल्प** – गोपाल राय

19. कृष्णा सोबती के उपन्यासों में प्रतिबिंबित नारी जीवन – डॉ. सुलोचन अंतरेड्डी, अमन प्रकाशन,
कानपुर.
20. निर्मल वर्मा का कथा साहित्य – डॉ. रघुनाथ शिरगांवकर अमन प्रकाशन , कानपुर.
21. राही मासूम रजा का कथा साहित्य – डॉ. सुभाष दुरूगकर , दिव्या डिस्ट्रीब्यूटर्स, कानपुर.
22. आपत्कालोत्तर हिंदी ग्रामांचलिक उपन्यासों की मीमांसा– डॉ. वसंत सुर्वे
23. बीसवीं सदी के अंतिम दशक के हिंदी उपन्यासों का प्रवृत्तिमूलक अनुशीलन – डॉ. क्षितिज
धुमाळ, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर.

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अक विभाजन

प्रश्न 1.	बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित)	20
प्रश्न 2.	संदर्भसहित व्याख्या (5 में से 3) (गोदान, बाणभट्ट की आत्मकथा चित्रलेखा पर)	30
प्रश्न 3.	आलोचनात्मक प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ पूरे पाठ्यक्रम पर)	15
प्रश्न 4.	आलोचनात्मक प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ पूरे पाठ्यक्रम पर)	15
प्रश्न 5.	लघूत्तरी प्रश्न (6 में से 4 द्रुत पाठ पर)	**20**

एम.ए. भाग – दो (हिंदी)वैकल्पिक प्रश्नपत्र क. 8. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग शब्दावली

कृषि शब्दावली		
1.	Accumulation of salt	लवण संचय
2.	Acidic soil	आम्लीय मिट्टी
3.	Acreage	एकड क्षेत्र
4.	Adaptability	अनुकूलनशीलता
5.	Afforestation	वनरोपण
6.	Agricultural hazard	कृषि विपदा
7.	Agricultural Marketing	कृषि विपणन
8.	Allotment of land	भूमि आबंटन
9.	Animal breeding	पशु प्रजनन
10.	Animal husbandry	पशुपालन
11.	Aridity	शुष्कता
12.	Average productivity	औसत उत्पादकता
13.	Balanced fertilization	संतुलित उर्वरीकरण
14.	Barrenness	अनुर्वरता / बंजरता
15.	Bearing plant	फलदायी पौधा
16.	Bee keeping	मधुमक्खी पालन
17.	Black alkaline soil	काली रेत
18.	Black cotton soil	काली मिट्टी
19.	Bloom	खिलना / फूलना

20.	Blossom end rot	पुष्पाग्र विगलन
21.	Boll	गूलर
22.	Calcarious soil	चूनेदार मिट्टी
23.	Canal irrigation	नहरी सिंचाई
24.	Cardamom	इलायची
25.	Cash crop	नकदी फसल
26.	Cattle feed	चारा/दाना
27.	Ceiling seed	उच्चतम बीज
28.	Certified seed	प्रमाणित बीज
29.	Crop loan	फसल ऋण
30.	Dairy farming	डेरी उद्योग/दुग्ध उद्योग
31.	Drought soil	जलाभाव/शुष्क मिट्टी
32.	Earthnut	मूँगफली
33.	Embryo	भ्रूण
34.	Extensive cultivation	भू–प्रधान कृषि/विस्तृत खेती
35.	Famine relief measures	अकाल राहत उपाय
36.	Farm practices	फार्म कार्यप्रणलियाँ
37.	Fibre crop	रेशे वाली फसल
38.	Fish farming	मत्स्य उद्योग
39.	Foodgrains	खाद्यान्न
40.	Forestry	वन विज्ञान/वानिकी
41.	Leased land	पट्टे की भूमि
42.	Lime stone	चूना पत्थर
43.	Live stock	मवेशी
44.	Mowing machine	कटाई यंत्र
45.	Nursery bed	रोपण क्यारी
46.	Pesticide	कीटनाशक दवाएँ
47.	Plough	हल
48.	Rain fed	वर्षा पर आश्रित
49.	Rate of growth	वृद्धि दर
50.	Raw material	कच्चा माल
51.	Recovery of rent	लगान/किराया वसूली
52.	Sale deed	बैनामा/विक्रय विलेख
53.	Sericulture	रेशम उत्पादन
54.	Skilled labour	कुशल श्रमिक
55.	Tenancy	काश्तकारी
56.	Tube well	नलकूप
57.	Unit cost	इकाई लागत
58.	Village uplift	ग्रामोत्थान
59.	Water supply	जलापूर्ति
60.	Yield	उपज/पैदावार
	कंप्यूटर शब्दावली	
1.	Access	अभिगम

2.	Accumulator	संचायक
3.	Actual key	वास्तविक कुंजी
4.	Advanced Information System	उन्नत सूचना तंत्र
5.	Application Software	अनुप्रयोग प्रक्रिया सामग्री
6.	Authorisation Code	प्राधिकरण कोड
7.	Automatic Recovery Programming	स्वतः पुनः प्राप्ति क्रमादेश
8.	Back up	पूर्तिकर
9.	Bar Code Scanner	रेखिका कूट क्रमवीक्षक
10.	Bench Mark	कंप्यूटर गतिमापक प्रणाली, निर्देश चिह्न
11.	Binary	द्विआधरी
12.	Bit	द्वयंक/बिट
13.	Bug	दोष
14.	Byte	बाइट, आठ बिटों का समूह
15.	Calculation	परिकलन
16.	Central memory	केंद्रीय स्मृति
17.	Central Processing Unit	केंद्रीय संसाधन एकक
18.	Character Code	संप्रतीक कूट
19.	Chip	चिप/पटलिका
20.	Clear memory	भंडारण निरसन
21.	Command	समादेश/कमांड
22.	Computer Technology	कंप्यूटर प्रौद्योगिकी
23.	Cursor	प्रसंकेतक
24.	Data acquisition	आंकडा अर्जन
25.	Data base	आंकडा संचय
26.	Data output	आंकडा निर्गम
27.	Data processing node	आंकडा संसाधन आसंधि
28.	Dehug	दोषमार्जन
29.	Digital computer	अंकीय कंप्यूटर
30.	Disk based operating system	चक्रिका आधारित प्रचालन तंत्र
31.	Encoder	कोडित्र/कूटलेखित्र
32.	Enter key	प्रवेश कुंजी
33.	Facimile	प्रतिकृति
34.	Feed back	पुनर्भरण
35.	File updating	संचिका अद्यतनीकरण
36.	Floppy disk	नम्यिका/फ्लापी डिस्क
37.	Font	फांट
38.	Formatted record	संरुपित अभिलेख
39.	Global search	सार्वत्रिक खोज
40.	Graphic display programme	आलेखी प्रदर्श क्रमादेश
41.	Gulp	बाइट समूह
42.	Hard disk	अनम्यिका
43.	Hardware	यंत्रसामग्री

44.	Header	प्रवेशिका
45.	High density	उच्च सघनता
46.	Horizontal feed	क्षैतिज भरण
47.	Host computer	प्रधान कंप्यूटर
48.	Identifier	अभिज्ञापक
49.	Inherent transparency	निहित पारदर्शिता
50.	Inhouse system	घरेलू तंत्र
51.	Input-Output	निवेश/निर्गम
52.	Insert	निवेशन
53.	Installation time	अधिस्थापन काल
54.	Interrupt signal	अंतर्व्यवधान संकेत
55.	Job priority	कार्य प्राथमिकता
56.	Junk	कबाड
57.	Key board	कुंजीपटल
58.	Key pad	कुंजी पैड
59.	Language Translator	भाषा अनुवादक
60.	Line feed	रेखा भरण
61.	Linkage	श्रृंखलन
62.	Local Area Network	स्थानिक जालक्रम/नेटवर्क
63.	Log in (log on)	सत्रारंभ
64.	Log off (log out)	सत्रांत
65.	Machine code	यंत्र कूट
66.	Machine dependent software	यंत्राश्रित प्रक्रिया सामग्री
67.	Mail merge	संचिका विलय
68.	Mainframe computer	बृहत कंप्यूटर
69.	Manual entry	हस्तेन प्रविष्टि
70.	Master Card	प्रधान पत्रक/कार्ड
71.	Memory address register	स्मृति पता पंजी
72.	Memory location	स्मृति कोष्ठ
73.	Menu	प्रसूची/मेनू
74.	Mini computer	लघु कंप्यूटर
75.	Minor key	गौण कुंजी
76.	Network application	जालक्रम अनुप्रयोग
77.	Numeric control	संख्यांक नियंत्रण
78.	Optical reader	प्रकाशीय पठित्र
79.	Overload simulator	अतिभार अनुकारक
80.	Package	पैकेज/संकुक
81.	Password	पारण शब्द
82.	Printer	मुद्रित/मुद्रक
83.	Programme	क्रमादेश/प्रोग्राम
84.	Punch card	छिद्रण पत्रक
85.	Query language	पृच्छा भाषा
86.	RAM (Random Access Memory)	रेम/यादृच्छिक अभिगम स्मृति

87.	Read Only Memory (ROM)	केवल पठन स्मृति
88.	Receiver signal	अभिग्राही संकेत
89.	Searching	खोजक्रिया
90.	Software	साफ्टवेअर/कंप्यूटर प्रोग्राम
91.	System analyst	तंत्र विश्लेषक
92.	Tag sort	प्रचिह्न शाटन
93.	User	उपभोक्ता
94.	Utility programme	उपयोगिता क्रमादेश
95.	Vertical format	ऊद्ध्वांधर संरुप
96.	Very large scale integration	अतिविशाल एकीकरण
97.	Visual display unit	चाक्षुक प्रदर्श एकक
98.	Wave guide	तरंग पथक
99.	Wide Area Network	बृहत जालक्रम/नेटवर्क
100.	Word processing	शब्द संसाधन
101.	Zero bit	शून्य द्वयंक
	बॅकिंग शब्दावली	
1	Account, Commercial	व्यापारिक खाता
2	Account, Fixed & Time deposits	मियादी जमा खाता
3	Accrued interest	अनार्जित ब्याज
4	Allocation	बँटवारा
5	Ancillary	सहायक
6	Bail	जमानत
7	Balance, Closing	रोकड बाकी/अंतिम शेष
8	Balance, Opening	आरंभिक शेष/बाकी
9	Bank's cash scroll	बैंक रोकड सूची
10	Banking Crisis	बैंकिंग संकट
11	Bearer cheque	धारक चेक
12	Beneficial	लाभकारी
13	Broker	दलाल
14	Cancellation	निरस्त करना
15	Cash department	रोकड विभाग
16	Cash in hand	नकद शेष
17	Clearing house	समाशोधन गृह
18	Cross reference	प्रति संदर्भ
19	Daily balancing	दैनिक मिलान
20	Dead line	अंतिम तारीख
21	Due Date	नियत तारीख
22	Duplicate	अनुलिपि
23	Enlist	सूचीयन
24	Entitle	हकदार होना
25	Exchequer	राजकोष
26	Fake document	जाली दस्तावेज

27	Financial position	वित्तीय हैसीयत
28	Fluid Resources	नकद साधन
29	Foreign Exchange Business	विदेशी मुद्रा व्यवसाय
30	Grace Period	छूट अवधि
31	Heir	वारिस
32	Holder wrongful	अवैध धारक
33	Identification mark	शिनाख्त चिह्न
34	Indebtedness	ऋणभार
35	Indemnity bond	क्षतिपूर्ति बांड
36	Job factor	कार्यकारक
37	Key holder	कुंजी धारक
38	Key post	प्रमुख पद
39	Letter of credit	साख़–पत्र
40	Loan documents	ऋण दस्तावेज
41	Maintenance charges	रख–रखाव प्रभार
42	Mandatory	अनिवार्य/अधिदेशी
43	Nature of transaction	कार्यवाही का प्रकार
44	Nomination	नामांकन
45	Non-viable	अव्यवहार्य
46	Non-withdrawal	अनाहरण
47	Odd Hours	असुविधाजनक समय
48	On Cost	लागत पर
49	Operating Charges	परिचालन प्रभार
50	Outgoing files	जावक फाइलें
51	Over draft	अधिविकर्ष
52	Over -estimate	अधिक आकलन
53	Partnership deed	साझानामा
54	Pay-order	भुगतान आदेश
55	Proceeds	आगम
56	Progressive Total	क्रमिक जोड
57	Proximo	अगामी महीना
58	Quantum	मात्रा
59	Rate	रेट/दर
60	Realisation account	वसूली खाता
61	Retain	रोक रखना
62	Revenue stamp	रसीदी टिकट
63	Safe custody	सुरक्षित अभिरक्षा
64	Safe Deposit Vault	सुरक्षित जमा कक्ष
65	Surety	जामिन
66	Taking over	ग्रहण करना
67	Tax, comodity	वस्तुकर
68	Time bill	सावधि बिल
69	Treasury receipts	ट्रेजरी रसीद

70	Turnover	आवर्त (बिक्री)
71	Under Reference	संदर्भाधीन
72	Valuation charges	मूल्यांकन याचिका
73	Writ Petition	समादेश याचिका
74	Yearly arrivals	वार्षिक आमद
75	zero Complaint Region	शिकायतहीन क्षेत्र
76	Zonal Office	आंचलिक कार्यालय